तकनीकी विश्वविद्यालय का एक और कैंपस इसरो का नोडल सेंटर

- यूटीयू के अब दो कैंपस इसरो के नोडल सेंटर
- मई में इसरो के लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी तकनीकी विश्वविद्यालय के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान टनकपुर को इसरो के स्टार्ट प्रशिक्षण के लिए नोडल सेंटर बनाया गया है। इसके साथ ही यूटीयू के दो कैंपस इसरो के नोडल सेंटर बन गए हैं। इससे पहले दून स्थित डब्ल्यूआईटी को इसरो का सेंटर बनाया गया था।

ये दोनों सेंटर इसरो के स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नोडल सेंटर के रूप में काम करेंगे। इनमें अप्रैल और मई में इसरो के लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने राज्य में तकनीकी विश्वविद्यालय के दो कैम्पस संस्थानों को स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए गढ़वाल और कुमांऊ में एक-एक नोडल सेन्टर बनाये जाने पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिये जाने में विश्वविद्यालय के योगदान को इसरो ने मान्यता दी है।

उन्होंने कहा कि दोनों केन्द्रों के लिए नामित नोडल समन्वयकों को जिम्मेदारियां दी गयी हैं कि वह छात्र-छात्राओं से समन्वय कर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करेंगे। इसरो के विभिन्न मंचों पर दोनों केन्द्रों के नोडल समन्वयकों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिये के प्रयासों के लिए प्रतिभाग करेंगे।

महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून के कैंपस निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार पाण्डा और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान टनकपुर के निदेशक प्रो. हरद्वारी लाल मंडोरिया ने कहा कि इसरो की ओर से दैनिक आधार पर ई-कक्षाएं संचालित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जाएंगे। इसरो ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान टनकपुर में सहायक प्राध्यापक डॉ देव प्रकाश सत्संगी को नोडल समन्वयक के रूप मे नामित किया गया।